मैथिली मे पहिल इ-पेपर

समाद

पटना, 2 फरवरी, 2008 ▫ सप्ताहिक ▫ अंक-2 ▫ साल-1 ▫ इन्टरनेट संस्करण ▫ पेज-6

फेर जागल मिथिला राजक मांग

जैविक खाद स बदलल कपार

पूर्वी राज्यक स्थिति

राज्य	मांग	आपूर्ति
बिहार	1500	806
झारखंड	900	533
बंगाल	3000	2600
सिक्मि	700	400
ओड़िशा	900	750

बनि रहल थर्मल

स्थान	इकाइ	क्षमता
बाढ़	4	2320
पीरपैंती	7	3800
कहलगांव	3	1500
कटिहार	4	1000
नवीनगर	2	1320
बांका	4	2000
बेगूसराय	4	1800
कुल	28	13790

बनि रहल हाइडल

स्थान	इकाइ	क्षमता
तेलहर	4	400
सिनाफदर	3	345
पंचगोटिया	3	225
दुर्गावती	8	1600
कोहिरा	4	400
इंद्रपुरी	2	450
कुल	24	3520

भेट रहल हिस्सा

स्थान	क्षमता	आपूर्ति
फरक्का	1600	362
तालचर	1000	354
कहलगांव	840	135
ताला	850	216
चुक्का	270	80
रंगीत	60	21
कुल	3770	1169

मांग

मांग	अधिकतम	औसत
राज्य	1550	1250
रेलवे	125	100
नेपाल	75	70
पावरहाउस	30	25
ग्रीड	30	25
कुल	1800	1475

अनहार अछि बिहार

सब दल एकजुट, नीतीशक नेतृत्व मे केंद्र स हक मंगवा लेल जायत सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

पटना : बिहार मे लालटेनक सरकार अवश्य चल गेल, मुदा लालटेन युग एखनो अछि. कारण साफ अछि जे राज्य मे बिजलीक उत्पादन शुन्य अछि आओर केंद्र स कोनो प्रकारक मदद नहि भेट रहल अछि. आन क्षेत्रक समान बिजलीक क्षेत्र मे सेहो बिहार सने अन्याय होइत आयल अछि. आनो देश में बिजलीक बटवाराक कोनो तय आधार नहि अछि, तखनो एकटा पैमाना जनसंख्या के बनाउल गेल अछि. जनसंख्याक आधार पर राज्य सब के केंद्रीय कोटा स बिजली देल जाइत अछि. मुदा बिहार सने इ आधार कहियो नहि राखल गेल. जनसंख्यासक आधार पर बिजली देबाक मांग राज्य स्तर पर कहियो नहि उठल. मुदा आब इ मांग केवल सरकार नहि पूरा विपक्ष एक सुर स उठा रहल अछि. बिजली पर सर्वदलीय बैठक स पूर्व आशंका छल जे एक बेर फेर बिहारक हित छोरि राजनेता अपन हित देखबा लेल अलग–अलग सुर अपनौताह, मुदा बिहार बदलि रहल अछि. दलगत भावना स बाहर निकलि सब दलक नेता करीब चार घंटा तक विचार केलाक बाद एकमत भेलाह जे केंद्र राज्य सने अन्याय क रहल अछि. एकर विरोध मिल के केल जेत. एहि लेल एकटा सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली जा के केंद्र सरकार स बिहार लेल कोटा बढेबाक अनुरोध करत. उल्लेखनीय अछि जे विरोधी दलक नेता प्रस्ताव रखलैथि जे केंद्र लग जाइवाला प्रतिनिधि मंडलक नेतृत्व मुख्यमंत्री करताह अर्थात बिहार लेल जे नेताक सर्वदलीय टीम बनत ओकर कप्तान नीतीश कुमार हेताह. सवाल उठैत अछि जे इ टीम मैच जीतत अथवा राहत इ त समय कहत,मुदा बिजली संकट स बिहार में एकटा नव राजनीतिक शुरुआत भेला स केकरो इनकार नहि भ सकैत अछि. एकटा नव रोशनी त देखेबे कैल.

गोयनका आ अंबानी लगोउताह संयंत्र

पटना : राज्य में बिजली संकट बिकराल अछि. एहि परिस्थिति में गोयनका ग्रुप आ रिलायंस सन कंपनी राजय बिजली उत्पादन करबाक प्रस्ताव रखल अछि.. गोयनका जतय 2000 मेगावाटक थर्मल प्लांट लगेबाक प्रस्ताव रखलक अछि ओतइ रिलायंस पांच मेगावाटक सौर प्लांट लगेबाक प्रस्ताव रखलक अछि. सरकार दुनू प्रस्ताव पर गंभीरता स विचार करि रहल अछि. निवेश प्रोत्साहन बोर्डक समक्ष प्रस्तुत प्रस्तावक अनुसार गोयनका पीरपैंती मे एकटा थर्मल लगाउत. एहि संयंत्र स 20 हजार स अधिक लोक के राजगार के अवसर भेटत आओर पांच हजार के सीधा रोजगार भेटत. कहल जा रहल अछि जे सरकार स मंजूरी भेटला पर जमीनक अधिग्रहणक प्रक्रिया शुरू होयत. पहिल चरण में 660 मेगावाटक पहिल यूनिटक लागत. ओकर बाद दोसर आ तेसर इकाई बनत. दोसर कात रिलायंस देशक पहिल सौर ऊर्जा प्लांट बिहार मे लगेबाक इच्छा प्रकट केलक अछि. एहि प्लांट लेल पटनाक आसपास 48 एकड़ जमीन ताकल जा रहल अछि.

सस्ताक फेर में भेल मारल गेल बोर्ड

पटना : राज्य बिजली बोर्ड सस्ता बिजली लेबाक चक्कर मे गंभीर संकट में चल गेल. कहल जा रहल अछि जे पहिने बोर्ड एनटीपीसी स 90 मेगावाट बिजली किनैत छल. राज्य मे पनबिजलीक उत्पादन शुरू भेला पर सस्ता बिजली लेबाक चक्कर मे एनटीपीसी स मात्र 30 मेगावाट बिजली किनबाक फैसला भेल. इ फैसला आत्मघाती रहल. नदी मे पाइन कम भेला पर पनबिजली संयंत्र स बिजलीक उत्पादन घटि गेल, जाहि स बोर्ड के आवश्यक बिजली नही भेटि रहल अछि. ओनो केंद्रीय कोटा स सेहो बिजली कम भेटि रहल अछि. एहन में 1500 मेगावाटक स्थान पर 200 से 400 मेगावाट बिजली स काज चलि रहल अछि. एहि संबंध में एनटीपीसीक कहब अछि जे बिजलीक उत्पादन आओर वितरण अलग–अलग प्रक्रिया अछि. जहां तक बिहारक संकटक प्रश्न अछि, इ बोर्डक अपन निर्णयक करण उत्पन्न भेल अछि. एखनो अगर बोर्ड बिजली किनवा लेल आवेदन करै त ओकरा एनटीपीसी स उत्पादित बिजली भेट सकैत अछि.

कहलगांव में बिजली मांगी रहल भीड़ पर फायरिंग करबाक पाछू कारण किछु आओर छल

पटना/कहलगांव : बिहार में बिजली संकट नव नहि अछि. पिछला कतेको साल स बिजलीक स्थिति कमोबेश एकहि रंग अछि. सवाल उठैत अछि तखन नव कि भेल जे कहलगांव क लोक रस्ता पर उतरि गेलाह आओर स्थिति एहन भेल जे फायरिंग करय पड़ल. बिजली आयल अथवा नहि मुदा तीनटा घरक चीराग मिझा गेल. आखिर एना भेलैक किया. पड़ताल केला पर किछु गप सामने आयल. गुजरात में मोदीक जीत स खिसियाल किछु लोक भागलपुर के इस्तमाल करबाक फिराक मे छलाह. राज्य सरकारक खिलाफ कोनो मुद्दा नहि भेटला स विरोधी दलक नेता बिजली संकट के भजेबाक कोशिश केलाह. मुदा सब स प्रमुख कारण रहल एटीपीसीक कालोनी मे अवैध रूप स रहनिहार राज्य सरकारक पदाधिकारी क व्यवहार. जिनका लोक नि पर शहर बिजली व्यवस्थाक जिम्मा छल ओ लोकनि शहर के अनहार छोड़ी एनटीपीसीक कालोनी मे मात्र रहिते नहि छलाक, मुफत मे 24 घंटा बिजली सेहो जरबैत छलाह. स्थानीय लोक मुख्य रूप स एकरे विरोध करैत छल. लोकक कहब छल जे एनटीपीसी कोन हक स किछु सरकारी पदाधिकारी के 24 घंटा बिजली मुहैया करा रहल अछि. एहन अछि त पूरा शहर के बिजली मुहैया करैल जे. लोकक इ मांग स किछु पदाधिकारी ऐतेक तमसा गेला कि प्रदर्शनकारी पर गोली चलेबाक आदेश द देलैथि.

बिजलीक क्षेत्र में आर्थिक शेर बनि सकैत अछि बिहार

प्रधानमंत्रिक आर्थिक सलाहकार एससी झाक कहब छैन जे बिजली बोर्ड के तकनीकी रूप से समृद्ध बनवय पड़त.

समदिया

पटना : प्रधानमंत्रिक आर्थिक सलाहकार परिषदक सदस्य डॉ एससी झाक मानव छैन जे बिहार में विकासक बहुत संभावना अछि. हुनक कहब छैन जे अगर एकर ठीक स विकास कैल जाय तो बिहार आर्थिक शेरक रूप में उभरि सकैत अछि. श्री झा बिहार मे विकासक संभावना स संबंधित पांच खंड में अपन रिपोर्ट सौंपलाक बाद पत्रकार स गप करैत छेलाह. अपन रिपोर्ट के ओ राज्यक विकासक रोड मैप बतवैत छैथि. अपन रिपोर्ट में ओ विशेष रूप से सड़क, बिजली, बैंक, चिकित्साक संगहि गवर्मेंस पर विशेष जारे देने छथिन. अपन रिपोर्ट देवा स पूर्व ओ अनेक बेर बिहारक दौरा केलैथि. राज्य सरकारक संग बिजली क्षेत्र में सुधारक लेल विशेष रूप में आयोजित बैठक में हिस्सा लेलैथि. बिहार में बिजली संकटक प्रश्न पर श्री झा कहैत छैथि जे राज्य बिजली बोर्ड में तकनीकी विशेषज्ञक घोर अभाव अछि. ओ राज्स सरकार स तत्काल 400 तकनीकी विशेषज्ञक नियुक्ति करबा लेल कहलैथि अछि.

श्री झा राज्य सरकार स बोर्डक माली हालत ठीक करबा लेल कठोर डेग उठेय लेल कहलैथि अछि. ओना श्री झा मानी रहल छैथि जे पिछला दू साल में बिहार विकासक बाट पर उतरि चुकल अछि. ओना विकास एखन धरि जमीन पर नहि आयल अछि, ओकरा जमीन पर आवै में किछु दिन आओर लागत. एकरा लेले विकास कार्य में तेजी अनबाक जरूरत अछि. केंद्र सरकार बिहार अनहार दूर करबा लेल विशेष राशि उपलब्ध करा रहल अछि.

एडीबीआइ आओर हेडोपावर जेनरेशन कॉप बिहार मे काज करबाक इच्छुक अछि. 11वीं पंचवर्षीय योजना में बिहारक विशेष ध्यान राखल गेल अछि. खास कर सड़क आओर बिजली संकटक हल करबा लेल काफी धन देल जा रहल अछि. आगीला पांच साल में बिहार में 2000 स 2500 मेगावाट बिजलीक उत्पादक लक्ष्य अछि. एखान कांटी आ बरौनीक क्षमता 400 मेगावाट अछि, पिछला दू दशक स राज्य में एकोटा बिजली घर नहि लागले. आगिला किछु साल में बिहार में बिजलीक आवश्यकता काफी बढ़ि जायत. विकासक लेल बिजली जरूरी अछि. कोसी में जलविद्युत केंद्र स्थापित भ रहल अछि. कटिहार में सेहो थर्मल स्थापित करबाक विचार अछि. नवीनगर आओर बाढ़ थर्मल समय स पूरा होयत. आशा करैत छी जे बिहार शीघ्र रोशन होयत. ओना बिजली क्षेत्र मे बहुत काज बाकी अछि.

जलपरिक गाम बनल नक्सलग्रस्त सरौंजा

बेगूसराय : बेगूसराय जिलाक वीरपुर प्रखंडक सरौंजा गाम ओना त नक्सलग्रस्त छल, मुदा आइ–कालि इ गाम जलपरिक कारन विख्यात अछि. एहि गामक बेटी लोकेन पाइन में तेज हेलवाक लेल होड़ मचेने छथि. गामक भूमिहीन किसानक धीया–पुता के पाइन में हेलैत देखि बड़ा–बड़ा के आश्चर्य होइत छैन. एहि बच्चा सब लग ओतेक किताब नहि अछि, जेतेक पुरस्कार जीतने छैथि. तैराकीक एक्वाथलोन प्रतियोगिता में जीत दर्ज करा गामक नाम रोशन केनिहार बबलू, सावित्रि आओर बेबी के सरकार दिस स कोनो प्रोत्साहन नहि भेटि रहल अछि. उलटे मत्स्य पालन विभाग हिनका सब के पोखरि में अभ्यास करबा पर प्रतिबंध लगा देलक अछि. बबलु कहैत छैथि जे प्रतिबंधक बावजूद ओ किछु काल अपन अभ्यास करि लइति छैथि. सावित्रि आओर बेबी सेहो हुनका संग अभ्यास करैत छैथि. एहि कारण एक्वाथलोन प्रतियोगिता मे प्रथम, दोसर आओर तेसर स्थान एहि तिकरी के प्राप्त भेल अछि. नवंबर मास में गया में आयोजित बालिका वर्गक प्रतियोगिता मे सेहो छठी कक्षाक बेबी प्रथम, जखन कि नवम कक्षाक सावित्रि दोसर स्थान पर रहली. पिछला साल सावित्रि पहिल स्थान पर रहैथि. गौरतलब इ अछि जे तीनू बच्चाक बाप भूमिहीन छैथि आओर हुनकर नजरि स बच्चाक इ हुनर कोनो काजक नहि अछि. ओ अपन बच्चा के माछ मारबाक लेल पाइन में हेलब सिखोलैथि. गामक बेटीक उपलब्धि देख गामक बेटो सब पाइन में कूदी रेस लगबैय लागल. एहि साल एक्वाथलोन प्रतियोगिता में पहिल स्थान एहि गामक बबलु के भेटल. ऐना लगातार तेसर साल इ गाम एहि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पउलक. सावित्रिक परिजन कहैत छैथि जे इ बच्चाक हुनर एखन धरि नुकायल अछि. नीक प्रशिक्षण आओर सुविधा भेटला पर इ बच्चा देश लेल पदक जीत सकैत अछि. ओ कहैत छैथि जे इ बच्चा के जहिया पहिल बेर प्रतियोगिता मे हिस्सा लेबा लेल पटना जेबाक रहै तहिया हुनका लग भाड़ा तक नहि छल. मध्यविद्यालय, लक्ष्मीपुर शिक्षक लोकेन चंदा करि बच्चा के पटना जेवाक व्यवस्था केलेथि. आब तीनू बच्चाक ध्यान गुजरात मे आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता पर अछि. गुजरात जेबा लेल एक बेर फेर चंदाक सहारा लेल जा रहल अछि. सावित्रि कहैत छैथि जे गाम मे एकटा नीक पोखरि भ जाय त हुनक गति दो गुना भ जायत.ऐहन में दोसर राज्य हिनक आगू नहि टिक सकत. आइ इ तीनू बच्चा लग न प्रशिक्षक अछि आओर न कोनो किट. बेबीक आंखी में इंग्लिस चैनल पार करबाक सपना अछि, लेकिन ओ जनैत अछि जे ओकर गाम में नीक पोखरि तक नहि अछि. छोट सन जे डाबर अछि जेकरा गामवाला पोखरि कहैत अछि. ओकरो में अभ्यास पर सरकारी रोक अछि. बेटीक उपलब्धि स उत्साहित बेबीक पिता फौदार सहनी कहैत छैथि जे जखन तक संभव होयत ओ अपन बेटी के हेलब सिखउताह, मुदा ओ कहैत छैथि जे सरकारक सहयोगक बिना देशक स्तर पर पदक जीतवाक सपना मुश्किल अछि.

गाम–गाम मे गुंजल स्कूल चलि हम

बच्चाक स्कूलक प्रति रूझान बढल

- बिहारक पीठ ठोकलथि अहलूवालिया
- बिहारक औसत देशक औसत स काफी नीक

समदिया

पटना : बिहार में शिक्षाक दशा नीक नहि अछि. पिछला 15 साल स शिक्षाक प्रति सरकारक नजरिया सेहो नीक नहि छल, मुदा नव सरकार प्राथमिक स उच्च शिक्षा तक पर ध्यान द रहल अछि. पिछला साल एक लाख स बेसी शिक्षक क नियुक्ति केल गेल. जेकर परिणाम आब सामने आबि रहल अछि. 2006 मे राज्य में स्कूल स बाहर कुल 12.8 फीसदी बच्चा छल, मुदा 'प्रथम' द्वारा केल गेल सर्वे में इ आंकड़ा बदली गेल अछि. 2007 में स्कूल स बाहर मात्र 6.5 फीसदी बच्चा रहि गेल अछि. बिहार सन राज्य लेल इ एकटा महत्वपूर्ण उपलब्धि अछि. सर्वे कहैत अछि जे स्कूल में भरती हाइवाला बच्चा मे धीयाक संख्या पुत्ता स कम नहि अछि.

पूरा देश में प्राथमिक विद्यालयक स्थिति पर सर्वे करयवाला गैर सरकारी संस्था प्रथमक रिपोर्ट के योजना आयोगक उपाध्यक्ष मोटेक सिंह अहलूवालिया 16 जनवरी क लोकापर्ण केलथि. एहि अवसर पर एकटा पावर प्रजेंटेशन सेहो केल गेल, जाहि मे बिहारक स्थिति पर विशेष फोकस रहल.

पावर प्रजेंटेशन मे देखाउल गेल जे 2006 मे 11 स 14 सालक 17.6 फीसदी धीया स्कूल स बाहर छेलीह, मुदा 2007 में मात्र 7.9 फीसदी धीया स्कूल स बंचित रहलीह. पूरा देश में एहन उछाल और कतहु नहि भेटल. बिहार औसत देशक औसत स काफी उपर अछि.

तहीना 2006 मे छह स 14 सालक कुल 72.2 फसदी बच्चा स्कूल जाइत छल, मुदा 2007 मे इ आंकड़ा 84 फीसदी स बेसी भ गेल, जे देशक औसत 75.3 फीसदी से बेसी अछि. रिपोर्ट में कहल गेल अछि जे राज्य में एक स आठ सालक 26 फीसदी एहन बच्चा अछि जे अंगरेजीक सामान्य शब्द बूझि लैत अछि, जखन कि देश में औसत 23 फीसदी अछि. तहिना 85 फीसदी बच्चा अंगरेजी पढि के अर्थ बूझि लैत अछि.

गणित विषय मे सेहो देशक अनुपात मे बिहारक बच्चा आगू अछि. 11 स 14 सालक 75 फीसदी बच्चा मामूली हिसाब बना लैत अछि, जखन कि देशक औसत 73 फीसदी अछि. नौ स 10 सालक 52.2 फीसदी बच्चा मौखिक रूप स हिसाब हल करि लैत अछि. जखन कि देशक औसत 49 फीसदी अछि. सबसे चौंकावेवला आंकड़ा छह से आठ सालक बच्चाक वर्ग मे अछि. एहि आयुवर्गक 31.4 फीसदी बच्चा गणित बना लैत अछि, जखन कि देशक औसत मात्र 31 फीसदी अछि.

रिपोर्ट के जारी केलाक बाद श्री अहलूवालिया कहलथि जे बिहार शिक्षाक क्षेत्र में आश्चर्यजनक रूप स सुधार केलक अछि. एकर उपलब्धि आन राज्यक लेल उदाहरण अछि. सर्व शिक्षा अभियान संगहि राज्य स्तर पर चलाउल गेल अन्य योजनाक कारण बिहार शिक्षाक क्षेत्र में आन राज्य से बहुत आगू निकल. बाक प्रयास मे सफल रहल. श्री अहलूवालिया कहलैथि जे आगूक योजना में सेहो बिहार के शिक्षा पर खर्च करवा लेल प्रयाप्त धन देल जायत.

छोट–छोट समाद

ठेका पर नियुक्त डॉक्टरक मानदेय बढ़त

पटना : सरकार ठेका पर नियुक्त डॉक्टरक मानदेय बढ़ेबाक निर्णय केलक अछि. संगहि हिनक सेवा नियमित करबा लेल कानून के बदलबाक प्रयास केल जा रहल अछि. बढल मानदेयक अनुसार प्राध्यापकक लेल निर्धारित मनदेय के 30000 स बढ़ा के 32000 करि देल गेल अछि. तहिना सह प्राध्यापकक वेतन 25000 स बढ़ा के 27000 करि देल गेल अछि. सहायक प्राध्यापकक वेतन 20000 स बढ़ा के 22500 टाका करि देल गेल अछि. एहिना अन्य पद लेल सहो 2000 स 2500 तक के बढोतरी केल गेल अछि. एहि संबंध में विभागक पदाधिकारीक कहब छैन जे बढल मानदेय पिछला दिसंबर स लागू केल गल अछि. एकर संगहि इ बढोतरीक लाभ पूरान कर्मचारी लोकनि सब के सहों भेटत

एक अप्रैल स बंद होयत फाइल पर लिखा–पढ़ी

पटना : बिहार सरकार हाइटेक भ रहल अछि. सचिवालय मे इ–गवर्मेंसक आहट सुनल जा सकैत अछि. एहि साल एक अप्रैल स सचिवालय मे फाइल पर लिख–पढ़ी बंद भ जाइत. फाइल चलबाक पुरान परंपराक अंत भ जाइत. कंप्यूटरक सहयोग स फाइलक गति कतेक बढ़त इ त समय कहत, मुदा एतेक अवश्य जे सचिवालयक किरानी आओर चपरासीक लेल इ एकटा अधलाह समाचार अछि. आब बड़ा बाबू तक फाइल ल जेबाक कृपा करवा लेल चढ़ावा देबाक पूरान परंपराक बंद हेबाक चर्चा अछि. उपमुख्यमंत्री कहि छथि जे प्रयोगक तौर पर किछु विभाग में इ प्रयोग फरवरी स लागू केल । रहल अछि.एकरा लेल टाटा कंसलटेंसी के काज सौंपल गेल अछि. एहि योजना पर कुल 160 करोड़ खर्च केल जा रहल अछि. पहिल चरण में सीएम सचिवालय, कार्मिक विभाग आओर वित्त विभाग सन किछु खास विभागक चयन केल गेल अछि.

पटना–हावड़ा एसीक सफर 357 टाका मे

पटना : पटना स कोलकाताक लेल गरीब रथ आखिरकार शुरू भ गेल. एकर मांग बहुत दिन स होइत छल. कारण जे एखनहु गरीब लोग कमाई लेल कोलकाता जाइत अछि. हालिया सर्वे मे इ गप सामने आयल अछि जे पंजाब आओर मुंबईक मुकाबले एक बेर फेर बिहारी कोलकाताक दिस जा रहल छथि. एकर एकटा महत्वपूर्ण कारण बुद्धदेव बाबूक नीति रहल जाहि स कोलकाता मे रोजगारक अवसर बढ़ल अछि. एहि सब के देखि रेलमंत्री लालू प्रसाद 22 जनवरी के पटना जकशन स कोलकाता लेल चकाचक गरीब रथ के झंडी देखा के विदा केलथि. पटना–हावड़ा गरीब रथ आन गरीब रथ स किछु अगल अछि. एखन तक जे गरीब रथ चलल ओहि मे पेंट्रीकारक व्यवस्था नहि छल,मुदा एहि गाडी मे हर डिब्बा में एकटा छोट सन पेंट्रिकार रहत. जेकरा रेलवे नेनो पेंट्रिकार नाम देलक अछि. पटना स हावड़ाक भाड़ा कुल 357 टाका रखल गेल अछि आ इ गाड़ी सप्ताह मे तीन दिन चलत.. इ गाड़ी पटना स राति आठ बजे खुलत आओर भोरे पांच बजे हावड़ा पहुंचत.

सीपीडब्ल्यू व इरकॉन चतेलक सरकार

समय पर करू काज, नहि त बूझि लेब

समदिया

पटना : राज्य सरकार स्टेट हावेक निर्माण मे लागल एजेंसी स परेशान अछि. पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव एहि एजेंसी सबहक काज करबाक गति स खासा परेशान छैथि. श्री यादव सड़क निर्माण मे लागत दू टा एजेंसी क प्रतिनिधि के साफ तौर पर चेता देलथि जे समय सीमा मे अगर काज पूरा नहि भेल त सरकार एहन कार्रवाई करत जेकर कल्पना तक नहि केने हेयब. श्री यादव कहैत छथि जे टाका देलाक बावजूद उत्तर बिहार क पांच टा सड़क पर एखन धरि काज प्रारंभ नहि भ सकल अछि. इ बरदाश्त स बाहर अछि. श्री

यादवक कहब छैन जे मार्च तक अगर निर्माण पूर नहि भेल त काजक जिम्मा वापस लेल जा सकैत अछि. मंत्री कहैत छैथि जे बिहारक छवि बदलबाक प्रयास मे सड़क निर्माण महत्वपूर्ण अछि. करीब दू साल एहि सड़क टेंडर मे बीत गेल. सुरक्षाक कारण बताके लोक के ठेका लेबा स रोकल गेल, जखन सब किछु ठीक भेल त केंद्रीय एजेंसी काज मे कोताही बरत लागल. दू दिनक काज दू साल मे होयत त सरकार चुप नहि रहत. कंद्रीय एजेंसी इरकान के 12 पैकेजक काज देल गेल अछि, जखन की सीपीडब्ल्यू के 30 पैकेजक काज भेटल अछि. मंत्री कहैत छथि जे कोन सरकार इ बरदाश्त करत जे 30 मे स 25 पैकेज पर एखन धरि काज प्रारंभ नहि भ सकल अछि. एहन मे काज कहिया पूरा हेत किछु कहल नहि जा सकैत अछि. पथ निर्माण विभाग अपन अधिकारी के सब पैकेज पर चलि रहल काजक सख्त निगरानी करबाक आदेश देलक अछि. श्री यादव एहि लेल केंद्रीय एजेंसी आओर विभागक पदाधिकारी संग हर सप्ताह बैठक करि रहल छथि.

फेर जागल मिथिला राज्यक मांग

समर्थन में किछु, विरोध में किछु

पटना : प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह राज्य पुनरगठन आयोगक मांग के नामंजूर करि देलैथि. मुदा देश में छोट राज्यक मांग लगातार बढि रहल अछि. यूपीक मुख्यमंत्री राज्य के तीन भाग में बंटबाक इच्छा प्रकट करि चुकल छथि. एहन मे एक बेर फेर मिथिला राज्यक मांग जोर पकडी लेलक अछि. पिछला पांच दशक स इ मांग उठि रहल अछि. सब स पहिने जानकी नंदन सिंह अलग राज्यक मांग केलथि. हुनक मांग इ कहि के खारिज भ गेल जे बिहार हिंदी पटटीक अंग अछि आओर एकर बटबारा संभव नहि अछि. एहि कारण बिहारक भाषा भोजपुरी या मैथिली नहि भ के हिंदी बना देल गेल. एतबे नहि बाद मे जगन्नाथ मिश्र उर्दू के दोसर भाषाक दरजा द के भोजपुरी आओ.'र मैथिलीक भविष्य के दावं पर लगा देलथि. आइ ओ कहैत छथि जे मिथिला राज्यक ओ न विरोध करताह आ न समर्थन. तारा बाबू विधान पार्षद बनलाक बाद अपन आंदोलन के जारी रखने छथि. इ हुनक गंभीरता प्रदर्शित करैत अछि. जदयूक नेता शभु शरन श्रीवास्तव बिहारक बंटवाराक खिलाफ छथि, मुदा मिथिलाक मांग नजायज अछि इ कहबाक इच्छा नहि होइत छैन. सवाल उठैत अछि इ जे जखन भाषाक आधार पर राज्य बनल तखन हमर भाषा के मारी देल गेल आओर जखन आर्थिक आधार पर झारखंड सन राज्य बनल तखनो मिथिलाक उपेक्षा भेल आखिर नव राज्य बनबाक आधार की अछि एकर निर्धारन एखन धरि नहि भ सकल अछि.

मार्च तक बनत तीन लाख इंदिरा आवास

पटना : राज्य सरकार अगिला तीन मास में तीन लाग इंदिरा आवास बनेवाक निर्णय लेलक अछि. इ इंदिरा आवास राज्यक विभिन्न जिला मे बनाउल जायत. ग्रामीण विभाग स भेटल जानकारी क अनुसार एहि योजनाक तहत 38 जिला में कुल 567171टा इंदिरा आवास बनाउल जायत. जखन कि पिछला साल करीब 32.46 प्रतिशत अर्थात 184142टा इंदिरा आवास बनि चुकल अछि. बाकी बचल मकान अगिला तीन मास मे बनेबाक लक्ष्य राखल गेल अछि. विभाग के पदाधिकारी आओर रसकारक मंत्री तक के उम्मीद छैन जे इ लक्ष्य के पूरा करि लेल जायत. ओना 38 मे स 27 जिलाक लेल दोसर किश्तक राशि देवाक प्रस्ताव के नामंजूर करि देलक अछि. एहि पर राज्य सरकार काफी खिसिया गेल अछि.

छोट–छोट समाद

पटना के पाटलिपुत्र बनेबाक प्रयास तेज

पटना : राज्य सरकार पटना के एक बेर फेर पाटलिपुत्र बनेबाक प्रयास में जुटि गेल अछि. नाम बदलबाक लेल सरकार शहरक विद्वान लोकनिक राय लेबा लेल एकटा बैठक बजैलक अछि. पटना संग्रहालय में आयोजित एहि बैठक में मुख्य रूप स पटनाक गौरवपूर्ण इतिहास के आभास लेल एकर नाम बदलबा पर विचार होयत. कला एंव संस्कृति विभाग एहि लेल प्रयास रत अछि. बैठक मे बजाउल गेल विद्वानक राय मे पटनाक नाम बदलबाक पक्षधर बेसी छथि. विभागक सचिव विवेक कुमारक कहब छैन जे आम लोक सेहो एहि लेल तैयार अछि. श्री कुमार कहैत छैथि जे पटनाक नाम बदलैत रहल अछि. कुसुमपुर, अजीमावाद आदि नामक तुलना मे पाटलिपुत्र सबसे प्रसिद्ध भेल. पटना के इ नाम ओ दौर मे भेटल जखन इ पूरा दक्षिण एशिया पर राज्य करैयवाला राजाक राजधानी छल. सर्वाधिक गौरवगाथा आओर शिलालेख पर पटनाक नाम पाटलिपुत्र अछि. सच पूछु त जहिया तक पटनाक नाम पाटलिपुत्र छल इ शहर अपन गौरव के प्राप्त केने छल. वर्तमान सरकार पटना के किछु ओहने गौरवपूर्ण बनेबाक प्रयास मे अछि. एहि लेल पटना के एक बेर फेर पाटलिपुत्रक संबोधनक आवश्यकता अछि.

दीघा पोलिटेकनिक मे चलत आइआइटी

पटना : राज्य मे आइआइटी खुलबाक बाटक सबटा रोड़ा हटि गेल. आशा केल जा रहल अछि जे एहि सत्र स बिहार मे सेहो आआटीक पढ़ाई आरंभ भ जायत. राज्य सरकार एहि संबंध मे एकटा पत्र केंद्र के लिखलक अछि. पत्र मे कहल गेल अछि जे बिहटा मे जखन धरि भवनक निर्माण नहि भ सकल अछि तखन धरि दीघा पोलिटेकनिक में आइआइटीक पढ़ाई केल जा सकैत अछि. एहि संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमारक कहब छैन जे दीघा पोलिटेकनिक एहि लेल तैयार अछि. ज्ञात हुए कि केंद्र राज्य सरकार स आइआइटीक लेल आधारभूत संरचनाक संबंध में जानकारी लेबाक लेल एकटा पत्र लिखने छल. तेकर उत्तर में राज्य सरकार इ मंशा जाहिर केलक अछि.

पटना शहर के कचरा मुक्त करत अमेरिकी संस्था

पटना : अमेरिका मे बसल भारतीय लोकक संस्था एआइएफ गुजरातक बाद आब बिहार मे किछु समाजिक काज करय चाहैत अछि. एहि संबंध में संस्थाक प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री स भेंट करि अपन योजना हुनका बतौलक. योजनाक अनुसार संस्था पटनाक हजारो टन कचरा के एकत्र करि ओहि स खाद बनेबाक काज करत. एहि स लोक क रोजगारक संगहि किसान क सस्ता खाद उपलब्ध होयत. बैठकक बाद मुख्यमंत्री कहला जे सरकार संस्था के सब तरहक मदद देत. ओ कहैत छैथि जे संस्था के नगर निगमक स्तरवाला शहर स काज आरंभ करबाक चाहि. संस्थाक कंट्रीहेड सुकांतक कहब छैन जे बिहार मे तेजी स विकास भ रहल अछि, माहौल बदलि रहल अछि. हुनक संस्था बदलैत बिहार में अपन अनुभव स किछु करबाक इच्छा रखैत अछि.

जहानाबादक बच्चाक पंसद बदलि चुकल अछि. ओकर पसंद आइ माओ या लोहिया नहि रहलैथि. बच्चाक बीच मैकालेक धूम अछि. जहानाबादक बच्चा आब अंगरेजी मे सपना देखैत अछि. बंदूकक जगह आब कलम ल लेलक अछि. ओ जमाना बीत गेल जखन एतुका लोक बच्चा के बंदूक चलेवाक प्रशिक्षण दैत छलाह. आइ त कलम चलेवाक प्रशिक्षण देबाक लेल दर्जनो अंगरेजी स्कूल खुली चुकल अछि. जहानाबादक बदलल रूपस परिचित करा रहल छैथि मालेक पूर्व सदस्य आ पत्रकार **कुमार अनिल.**

जहानाबाद बदलि गेल

माओ नहि मैकाले क धूम

बिहार, उग्रवाद आओर जहानाबाद तीनू पिछला दू दशक स एक–दोसर स जुड़ल रहल. किछु साल पहिने तक जहानाबादक नाम सुनतहि नरसंहारक चित्र सामने आबि जाइत छल. छोट–छोट बच्चाक हाथ मे बंदूक, मुंह झपने युवक आओर देश–विदेशक बुद्धिजीवीक प्रतिकिया. दरअसल पिछला दू दशक स इ जिला हिंसा–प्रतिहिंसा मे जरि रहल छल. बंदूक कारण सिंदूर मिटैत रहल. आओर एकटा एहन समय आयल जखन रंगीन साड़ीवाली महिला के देखब मुश्किल भ गेल. विधवाक गाम स पहचान भेटय लागल. माओवाद आ लोहियावादक इ धरती पर आइ माओ व लोहियाक नाम लेनिहार कियो नहि अछि. जहानाबादक लोकक पसंद आइ मैकाले बनि चुकल छैथि. आइ एतुका बच्चा अंगरेजी मे सपना देखैत अछि. गोलिक जगह कलम चलेबाक अभ्यास क रहल अछि. क्रांति गीतक स्थान पर ए फार एप्पल, बी फॉर बाल रटि रहल अछि. जहानाबाद बदलि चुकल अछि.

जहानाबाद एकाएक नहि बदलल. कोनो सरकार एकरा नहि बदलि देलक. एकर पाछु 25 स 40 सालक अभिभावक छैथि, जे अपन बच्चाक लेल माओ या लोहियाक मार्ग नहि चुनलैथि. सेनारी आओर मियांपुर हुनका लग एकटा एहन प्रतीक अछि जे हुनका माओ स दूर करि देलक. आइ इ दूनू गाम मे अंगरेजी स्कूलक भरमार अछि. एहि स्कूल मे नरसंहार झेल चुकल अनेक परिवारक बच्चा पढि रहल अछि. उल्लेखनीय अछि जे स्कूल में सेनारी आओर मियांपुर दूनू गामक बच्चा संगहि पढि रहल अछि. दूनू गामक बच्चाक बीच एक–दोसर के लेल प्रेम अछि. दूनू संगहि सपना देखैत छैथि, संगहि खाइत–पीबैत छथि.संगहि खेलति–कूदति छथि.

जनाबादक युवा अभिभावक कहैत छथि जे माओवाद स इ जिला काफी प्रभावित छल, मुदा माओ आओर लोहियावाद स कि भेटल? उलटा जिला पिछड़ैत गेल. सबसे बेसी प्रभाव शिक्षा पर पड़ल. बच्चा मूर्ख बनल रहल. जे बाहर भागि लेल बेंची गेल जे रहल मारल गेल. लेकिन आब लोक महसूस केलक जे जिलाक विकास केना होयत. आइ एकोटा बड़का किसान जहानाबाद में नहि अछि, फेर सामंत के आओर दलित के. सब कमाउ–सब खाउ. गया आओर पटनाक बीच सेंडविज बनल जहानाबाद में आद्यौगिक क्रांति एखन धरि नहि पहुंचल अछि, मुदा कम खर्च पर अंगरेजी मिडियम स्कूल काफी खुलल अछि. आइ जहानाबाद में कुल 80टा एहन स्कूल अछि जेकर तुलना पटनाक नीक स्कूल स कैल जा सकैत अछि. एहि स्कूल में नामांकन स पूर्व बच्चाक लेल केश कोर्सक व्यवस्था केल गेल अछि, जाहि में बच्चा के अंगरेजी उच्चारण ठीक केल जाइत अछि. देहातक बच्चा आइ हरक बच्चा जेका अंगरेजी बाजी रहल अछि. एतुका स्कूल सब मगही में पोस्टा छापी के अभिभावक सब के अपन उद्देश्य बता रहल अछि. सच पूछू त मैकाले जहानाबाद में माओ आओर लोहिया के पटखनी द चुकल छैथि. लोहिया अंगरेजी क सामंतक भाषा कहैत छलाह, ओ कहैत छलाह–जखन कोनो सांसद अंगरेजी बजैत छैथि ज लाज होइत अछि. जहानाबादक बच्चा के देखि लोहिया लजा जेताह, मुदा बिहार के ओकरा पर गर्व अछि. लोहियावादी राजनीति केनिहार जहानाबादक राजद विधायक सच्चिदानंद कहैत छथि जे आइ अंगरेजी नहि पढब त भूखे मरी जायब.

जैविक खाद स बदलल कपार

समस्तीपुर

- जिला में खाद बनेवा लेल कुल 750 यूनिट
- व्यवसाय के रूप में अपनौलैथि दू दर्जन किसान
- खादक संग केंचुआक सेहो उत्पादन भय रहल अछि

समदिया

समस्तीपुर : जिला में जैविक खादक उत्पादन लगातार बढ़ि रहल अछि. जैविक खादक कारण खेत सोना उगलि रहल अछि. किसान मालामाल भय रहल छैथि. बिहार में हरित क्रांतिक सहि रूप में दर्शन आब भय रहल अछि. उत्साहित किसान खादक संगहि केंचुआक सेहो उत्पादन करैय लगलाह अछि. कहल जाइत अछि जे एकर मांग बिहारक संगहि बाहर स अछि. अपना स बचल खाद आ केंचुआ चाह बगान आ अन्य कृसिआरक खेत में पठाओल जाइत अछि. एकटा किसान त 10क्विंटल जैविक खाद सिक्किम पठोउलैथि. कारण जे सिक्किम सरकार अपन राज्य में जैविक खादक प्रयोग पर प्रतिबंध लगा देलके. समस्तीपुर में जैविक खाद बनेवा लेल कुल 750 यूनिट स्थापित भय चुकल अछि. किछु यूनिट हाल फिलहाल में सेहो लागत. 2008 में 150 आओर यूनिट लगेवाक लक्ष्य निर्धारित केल गेल अछि. लगभग 25 टा किसान त एकरा पूर्णरूपेण अपन व्यवसाय बना लेलथि. शेष पन उपयोग जोकरक खाद बना रहल छैथि. जानकारीक अनुसार अइ क्रांतिक जनम पूसा प्रखंड के बिरौली, मोरसंड स भेल. कल्याणपुर के सोमनाहा, समस्तीपुर के पंचरूखी आओर ताजपुर के कोठिया होइत इ क्रांति जिला भरि मे पसरि गेल. आइ इ चारि हजार लोक के रोजगार प्रदान करि रहल अछि. किसान कहैत छैथि जे एक यूनिट स 150 क्विंटल खाद बनैत अछि आओर 20 हजार पीस केंचुआ. केंचुआक बिक्री 300 टाका प्रति किलो तक भय जाइत अछि. एहि प्रकारे किसान भाइ सब के लाख टाका तक फायदा भय रहल छैन.

एहि संबंध में कृषि वैज्ञानिक आरके सोहाने कहैत छैथि जे जैविक खादक उपयोग स माटिक उर्वरा शक्ति बढ़ैत अछि, जखनि कि रासायनिक खाद स खेत धीरे–धीरे बांझ भ जाइत अछि. एकर संगहि जैविक खाद रासायनिक खादक मुकाबले सस्ता सेहो होइत अछि. डा सोहानेक कहब छैन जे आइ समस्तीपुर एड्सेनिया फेजीडा आओर एयूडरालूस प्रजातिक केंचुआ पैदा करि रहल अछि, जे पहिने भोपाल स मंगायल जाइत रहे. आइ पूर्वी भारत क पठाओल जा रहल अछि. दू हेक्टेय में भट्टाक खेती करैयवाला किसान राजदेव सिंह कहैत छैथि जे जैविक खेती स 40 फीसदी आमदनी बढ़ी गेलैह. आलूक खेती करिनिहार लक्ष्मी सिंह त अपना स फाजिल खाद बेच रहल छैथि. आइसमस्तीपुर जिला में रासायनिक खाद खपत काफी कम भ गेल अछि आओर ओ दिन दूर नहि जखन अइ जिला में रासायनिक खादक खपत समाप्त भ जायत.

शुक्र भेल राज ठाकरे बिहारी नहि छैथि

समदिया

शुक्र भेल राज ठाकरे बिहारी नहि छैथि. बिहारक धरती पर एहन छोट आओर संकुचित दिमागवाला नेता जनमो नहि ल सकैत अछि. बिहारक नेता मूर्ख छैथि, मुदा महामूर्ख राज ठाकरे सन नहि. छठ पूजा के नाटक कहबाक हिम्मत केनिहार राज ठाकरे के कोनो मराठी लोकवेदे बुझउत जे हिंदु धर्म मे एहने चरित्र के राक्षस कहल जाइत अछि. जहां तक बिहारी के मुंबई स निकालबाक प्रश्न अछि, त इ संभव नहि अछि. संविधान में एहन कोनो गपक चर्च नहि केल गेल अछि. निर्लज राज ठाकरे अपन इतिहासो नहि पढने छैथि. मराठा कहियो बिहार पर राज नहि केलक, मुदा बिहार भारत पर अनेको साल राज केने अछि. बिहार मे क्षमता एखनो अछि, एकर डर सब के अछि. बिहारक प्रतिभा स भयभीत राज ठाकरे अगर सहि में मुंबई के मराठी रंग में रगय चाहैत छैथि त टाटा आओर अंबानी के राज्य स निकालबाक हिम्मत करैथि. जमशेदपुरक टाका जखन टाटा मुंबई में रखैत अछि, तखन राज ठाकरे के लाज नहि होइत अछि. जामनगरक टाका जखन अंबानी मुंबई मे लगबैत अछि तखनो राज ठाकरे के लाज नहि होइत अछि, मुदा जखन अमिताभ अपन संपत्तिक एकटा अशं यूपी में दैत अछि त राज ठाकरे के मराठा इज्जत दावं पर लागि जाइत अछि. एतबे कमजोर अगर अछि मराठी संस्कृति आओर मराठाक इज्जत त ओकरा राज ठाकरे की ओकर बापो नहि बचा सकैत अछि. जहां तक बिहारक सवाल अछि बिहारक संस्कृति आओर बिहारक इज्जत एहन ओनो बयान स न मिटत न घटत.

महामहिमक स्वागत लेल तैयार अछि बिहार

समदिया

पटना : अगिला सप्ताह में बिहार में तीन टा पैघ नेता पधरि रहल छैथि. सबसे पहिने पूर्व राष्टपति कलाम पटना पहुंचताह. ओ आठ फरवरी के पटना स सीधा नालंदा जेता. ओहिठाम नालंदा विश्वविद्यालयक विधिवत रूप स विजिटरक पद ग्रहण करताह आओर पहिल कार्यकारिणीक बैठक में हिस्सा लेताह. 12 फरवरी के मारिशस के राष्ट्राध्यक्ष पटना पहुंचताह. ओ गांधी मैदान लग अपन पिता रामगुलामक प्रतिमाक अनावरण सहित किछु आओर कार्यक्रम में शामिल हेताह. ज्ञात हुए कि रामगुलाम बिहारक मूल निवासी छलाह आओर नौकरी करबा लेल मारिशस गेल छलाह. कालांतर मे ओ ओतुका सर्वमान्य नेता भ गेलाह. 15 फरवरी के महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील पटना पहुंचतीह. देशक प्रथम महिला बनलाक बाद हुनक इ पहिल बिहार यात्रा थिक. ओ दिल्ली स सीधा बोधगया पहुंचतीह. अंतर विवि तरंग कार्यकमक उदघाटन करबाक उपरांत ओ पटना पहुचतीह. राति पटना मे बितेलाक बाद 16 फरवरी के ओ वैशाली जेती. विश्वक पहिल गणतंत्र राज्यक धरतीक माटी देखलाक बाद हुनकर नालंदा जेबाक सेहो कार्यक्रम छैन, मुदा बिहार सरकारक प्रधान सचिव गिरीश शंकरक कहब अछि जे नालंदा यात्राक कार्यक्रम एहन धरि निश्चित नहि अछि. ओना नालंदा जिला प्रशासन महामहिमक स्वागत लेल अपन तैयारी शुरू करि चुकल अछि. एक सप्ताह मे एतेक नेताह आगमन पटनाक लेल नव गप अछि. प्रशासन सेहो एकरा लेल पुख्ता सुरक्षाक इंतजाम करि रहल अछि.